पाठ–1

हे मातृभूमि! हमको वर दो

हे मातृभूमि! हमको वर दो, पढ़–लिखकर हम गुनना सीखें।
बोलें न बुरा, देखें न बुरा, कुछ भी न बुरा सुनना सीखें।।
हम खेल–खेल पढ़ते जाएँ, पढ़–लिखकर नित बढ़ते जाएँ।
हम रुकें नहीं, हम झुकें नहीं, गिरि शिखरों पर चढ़ते जाएँ।।
विघ्नों से कभी न घबराएँ, सत्पथ को कभी न छोड़ें हम।
बाधाओं पर बाधा आएँ, बाधाओं का रुख मोड़ें हम।।
क्यों बनें फकीर लकीरों के, नित नए सपन बुनना सीखें।
हे मातृभूमि! हमको वर दो, पढ़–लिखकर हम गुनना सीखें।।

पाकर आशीष तुम्हारा माँ, आलोक जगत में हम भर दें।
हम वीरानों को चमन करें, जो गूंगे हैं उनको स्वर दें।।
अपनापन सब में देखें हम, मन से विद्वेष मिटाएँ हम।
पर सुख को अपना सुख मानें, पर दुःख में हाथ बटाएँ हम।।
जग की इस सुंदर बगिया से हम, सार सुमन चुनना सीखें।
हे मातृभूमि! हमको वर दो, पढ़–लिखकर हम गुनना सीखें।।

शब्दार्थ

गिरि	–	पहाड़	शिखर	–	चोटी
गुनना	–	समझना, मनन करना	विघ्न	–	बाधा
आलोक	–	प्रकाश	वीरान	–	उजाड़
चमन	–	बगीचा	विद्वेष	–	ईर्ष्या

अभ्यास कार्य

पाठ से

उच्चारण के लिए

मातृभूमि, विघ्नों, आशीष, सत्पथ।

सोचें और बताएँ

1. 'लकीर का फकीर' बनने से क्या आशय है?
2. हम वीरानों को चमन कैसे कर सकते हैं?
3. दूसरों के दुख को दूर करने के लिए हम क्या–क्या कर सकते हैं?

लिखें

बहुविकल्पी प्रश्न

1. कवि वर माँग रहा है –

   (क) भगवान से (ख) संन्यासी से

   (ग) मातृभूमि से (घ) आकाश से ( )

2. कवि जग रूपी बगिया से चुनना चाहता है –

   (क) कंकड़–पत्थर (ख) सार–सुमन

   (ग) सोना–चाँदी (घ) हीरे–मोती ( )

निम्नलिखित शब्दों में से उचित शब्द छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

सपन, सत्पथ, शिखरों

1. विघ्नों से कभी न घबराएँ ..... को कभी न छोड़े हम।
2. हम रुकें नहीं, हम झुकें नहीं, गिरि ..... पर चढ़ते जाएँ।
3. क्यों बनें फकीर लकीरों के, नित नए ..... बुनना सीखें।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. जीवन में विघ्न आने पर क्या करना चाहिए ?
2. कवि मातृभूमि से क्या वरदान माँगता है ?
3. 'गूंगों को स्वर देने' से कवि का क्या आशय है ?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. बाधाओं का रुख हम कैसे मोड़ सकते हैं ? लिखिए।
2. मन से विद्वेष मिटाने के लिए हमें क्या प्रयास करने चाहिए ?
3. पढ़ने–लिखने के साथ 'गुनना' क्यों जरूरी है ?

भाषा की बात

1 निम्नलिखित शब्दों को पढ़िए–

बुरा – अच्छा, वीरान – चमन, अपना – पराया, नए – पुराने।

इन शब्द युग्मों के अर्थ में परस्पर विरोध प्रकट हो रहा है। ऐसे शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।

आप भी निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

चढ़ना, सुख, वरदान, सुंदर, आलोक

2. पाठ में धरती माता के लिए मातृभूमि शब्द का प्रयोग हुआ है अतः धरती व भूमि शब्द का एक ही अर्थ है अर्थात **एक ही वस्तु के अनेक नाम होते हैं, जिन्हें पर्यायवाची कहते हैं।**

आप भी निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए –

सुमन, चमन, गिरि

पाठ से आगे

1. पाठ में कवि मातृभूमि से वरदान माँग रहा है। आप जब प्रार्थना करते हैं तो किससे वरदान माँगते हैं?
2. आपके आस–पास अनेक ऐसे असहाय लोग हो सकते हैं जिनको मदद की आवश्यकता होती है। ऐसे पाँच कार्यों की सूची बनाइए जिनसे हम जरूरतमंद लोगों की सहायता कर सकते हैं।

यह भी करें

1. इस कविता में कवि ने मातृभूमि के प्रति अपने अनुराग को अभिव्यक्त किया है। ऐसे ही भावों से भरी अन्य कविताओं का संकलन कर कक्षा में सुनाइए।
2. आज़ादी की लड़ाई में देश के अनगिनत सपूतों ने मातृभूमि के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। ऐसे पाँच देशभक्तों के नाम लिखिए।

यह भी जानें

1. वाल्मीकि कृत 'रामायण' में कहा गया हैं 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' इसका अभिप्राय है कि माता एवं मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं। अच्छे विचारों व सत्कर्मों से मातृभूमि का मान बढ़ाया जा सकता है।

2. ये 'बंदर' हमें कुछ संदेश दे रहे हैं। संदेशों की जानकारी कीजिए।

तब और अब

पुराना रूप	विद्वेष	विद्यालय	उद्देश्य	बुद्धि
मानक रूप	विद्वेष	विद्यालय	उद्देश्य	बुद्धि

जानें, गुनें और जीवन में उतारें

'न जानना बुरा है; परंतु न जानने की इच्छा करना अधिक बुरा है।'